प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला–ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कोरोना महामारी के दौरान केवीके के वैज्ञानिकों की भूमिका पर विचार

पंतनगर। 30 मई 2020। देश में चल रही कोरोना वायरस, कोविड–19 की महामारी की परिस्थिति में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की भूमिका के बारे में विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्राध्यापक, डा. जे.कुमार, द्वारा वेब बैठक के माध्यम से संदेश दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के निदेशक, डा. अनिल कुमार शर्मा, की उपस्थिति में प्रसार वैज्ञानिकों से वार्ता करते हुए उन्होंने फूड चेन सप्लाई, फूड वैल्यू चेन, एक राष्ट्र–एक बाजार जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सलाह दी। डा. जे. कुमार ने कहा कि आज का बाजार हाई वैल्यू उत्पाद जैसे सब्जी फल, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन इत्यादि है, जिसमें लघु कृषकों का अधिक योगदान रहता है। उन्होंने टिकाऊ कृषि हेतु तीन बिन्दु, यथा पर्यावरण टिकाऊपन, आय जनित टिकाऊपन एवं सामाजिक टिकाऊपन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में पूर्वजों की खेती को सीधे खारिज न कर उसे वर्तमान तकनीक से जोड़कर और भी प्रभावी बनाने की सलाह दी। हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा 27 पादप सुरक्षा रसायनों को प्रतिबन्धित करने की स्थिति में डा. कुमार ने कृषि के कामन मिनिमम प्रोग्राम, जिसमें मृदा सौरीकरण; बीज, पौध, मृदा का जैव नियंत्रक से उपचारण; वर्मी कम्पोस्टिंग एवं गोबर की खाद का मूल्यवर्धन कर किसानों की कृषि से उपज एवं अन्ततः आय वृद्धि पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने वृक्षार्युवेद से प्राप्त कनाब जल, जोकि एक जैव उर्वरक है, के प्रयोग पर भी बल दिया। इस वेब बैठक में चमोली, रूद्रप्रयाग, देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़, चम्पावत, अल्मोड़ा, नैनीताल तथा ऊधमसिंह नगर जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी व वैज्ञानिक उपस्थित थे। अन्त में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा, ने डा. जे. कुमार का इस महत्वपूर्ण व ज्वलन्त विषय पर व्याख्यान देने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने नाहेप के परियोजनाधिकारी, डा. एस.के. कश्यप, का भी वेब बैठक में समुचित मदद करने हेतु धन्यवाद दिया।